P-536

Total Pages : 3 Roll No. .....

MAJY-508

ग्रहण, वेध-यन्त्र तथा गोल परिचय-02

MA Jyotish (MAJY)

2nd Semester Examination, 2023 (June)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. भारतीय ज्योतिष में वेधशाला के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

2. भारतीय वेधशाला निर्माण में महत्त्वपूर्ण योगदान देने वाले राजाओं का वर्णन कीजिए।

3. राशिवलय यन्त्र तथा चक्र यन्त्र का परिचय देते हुए इनके महत्त्व को बताइए।

4. गोल का महत्त्व प्रतिपादित कीजिए।

5. समय सूचक प्राचीन यन्त्रों का वर्णन कीजिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. प्राचीन गोलरचना की विधियों का विवेचन कीजिए।

2. कोण स्थान का परिचय देते हुए ग्रहकक्षा का वर्णन कीजिए।

3. क्रान्ति साधन कीजिए।

4. क्षेत्र प्रदर्शन पूर्वक एवं याम्योत्तर वृत्त तथा समस्थान का परिचय दीजिए।

5. क्षेत्र प्रदर्शन पूर्वक नाडी एवं क्रान्ति वृत्त का परिचय दीजिए।

6. क्षेत्र प्रदर्शन पूर्वक विशुवांश तथा भुजांश का परिचय दीजिए।

7. क्षेत्र प्रदर्शन पूर्वक लग्न एवं वित्रिभ लग्न का परिचय दीजिए।

8. देशान्तर एवं अक्षांश का परिचय देते हुए स्वस्थान का वर्णन कीजिए।